दिल्ली परिवहन निगम के अन्तर्गत बसें

1139. **श्री शंकर दयाल सिंह :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली परिवहन निगम के अंतर्गत बसों की संख्या कितनी है ;

(ख) इनमें से दिल्ली परिवहन निगम के स्वामित्व वाली बसों की संख्या कितनी है और गैर सरकारी पक्षों के स्वामित्व वाली बसों की संख्या कितनी है ; और

(ग) इन बसों में प्रतिदिन यात्रा करने वाले यात्रियों की अनुमानित संख्या कितनी है और दिल्ली परिवहन निगम द्वारा प्रतिमाह विभिन्न स्रोतों से अर्जित आय का अलग-अलग ब्यौरा क्या है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) और (ख) 20-2-1992 को दिल्ली परिवहन निगम के तहत 4984 बसें चल रही थीं जिनमें से 606 बस प्राइवट आपरेटरों की थी ।

(ग) जनवरी, 1992 माह के दौरान 44.73 लाख यात्रियों ने दिल्ली परिवहन निगम की बसों में यात्रा की । दिल्ली परिवहन द्वारा अर्जित प्रतिदिन औसत आय 54.46 लाख रु० है । दिल्ली परिवहन निगम को जनवरी, 1992 के दौरान विभिन्न स्रोतों से हुई आय का ब्यौरा निम्न प्रकार है :—

स्रोत	लाख रु०
टिकटों की बिक्री	1292.72
पासों की बिक्री	294.04
स्कूल बस	31.89
स्पेशल भाड़ा	4.68
पर्यटक	0.37
योग :	1623.70

Increase in Road Accidents

1140. DR. SANJAYA SINH: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) the number of road accidents in the country during the last 3 years, till date, years-wise and State/Union Territory-wise;

(b) whether the number of road fatalities have gone up during the same period; if so, the details thereof; State/Union Territory-wis; and

(c) what are the reasons for the steep rise in the number of Road Accidents/ Road Fatalities during the above period and the steps Government have proposed to take to reduce the number of road accidents in the country?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) Details at Statement-I. (*See* below)

(b) Yes, Sir. Details at Statement-II. (*See* below)

(c) The main causes of road accidents are summarised below:—

(i) Rash and negligent driving, non-observance of traffic regulations, driving under strain or fatigue, drunken driving and defective vision or health.

(ii) Fault of the road users like pedestrians or cyclists, due to absence of knowledge about road saftey.

(ii) Mechanical defects in vehicles.

(iv) Defetive road conditions.

(v) Bad whether conditions, and

(vi) Increase in the number of vehicles as also rapid urbanisation leading to congestion on roads and heterogenous traffic in the cities, over-loading of vehicles etc.